पाठ 13. अनुभव से सीख

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को इनफ़ोसिस कंपनी के जनक एन.आर. नारायण मूर्ति के व्यक्तित्व तथा प्रेरणाप्रद अनुभवों से अवगत करवाना है। इस पाठ द्वारा बच्चे सकारात्मक सोच, दृढ़-निश्चय तथा परिश्रम का महत्त्व समझ पाएँगे।

पाठ का सारांश

इनफ़ोसिस कंपनी के अध्यक्ष एन.आर. नारायण मूर्ति का जीवन बहुत संघर्ष भरा रहा है। न्यूयार्क के 'स्टर्न स्कूल ऑफ़ बिजनेस' में उन्होंने अपने जीवन से जुड़े कई अनुभवों को बाँटा। नारायण मूर्ति ने बताया कि अमरीकी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर वैज्ञानिक से प्रभावित होकर उन्होंने कंप्यूटर विज्ञान में अपना भविष्य बनाने का निर्णय लिया। पेरिस से भारत लौटते समय नारायण मूर्ति के साथ जो घटना घटी, उसने उन्हें भारत तथा भारतवासियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना दिया। सन् 1981 में नारायण मूर्ति तथा उनके साथियों ने इनफ़ोसिस की नींव रखी। इसके साथ ही उन्हें बहुत-सी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नारायण मूर्ति ने कहा कि हमें अपने अनुभवों से सीखना चाहिए। उन्होंने आत्म-ज्ञान को सर्वश्रेष्ठ ज्ञान बताया है।

अध्यापन संकेत

पाठ की शुरुआत **पठन-पूर्व चर्चा** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न पूछकर करें। एन.आर.नारायण मूर्ति के जीवन का संक्षिप्त परिचय दें। बच्चों से भी नारायण मूर्ति के बारे में कुछ बताने को कहें। पूरे पाठ का पहले आदर्श वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। उसके बाद बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- बच्चों से पूछें कि वे जीवन में क्या बनना चाहते हैं?
- नारायण मूर्ति की ही तरह उन्हें किस व्यक्ति ने प्रभावित किया तथा कैसे? बच्चों से उनके अनुभव सुनें।
- क्या उन्हें भी कभी किसी गलतफ़हमी का शिकार होना पड़ा है?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।